Title: Need to link Varanasi in Uttar Pradesh by air.

श्री शंकर प्रसाद जायसवाल (वाराणसी) : भारत की सांस्कृतिक राजधानी वाराणसी विश्व के पर्यटकों का मुख्य केन्द्र है और प्रतिवर्ष विश्व के कोने-कोने से हजारों की संख्या में पर्यटक यहां आते हैं। वाराणसी विश्व के तीन प्रमुख धर्मों का केन्द्र है। बौद्ध धर्म, हिंदू धर्म एवं जैन मतावलम्बियों के लिए वाराणसी अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है।

काशी हिंदू विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय ख्याति का विश्वविद्यालय है जिसमें विदेशी छात्र एवं विद्वान बराबर आते जाते हैं। साथ ही अन्य चार विश्वविद्यालय भी इस नगर में हैं।

वाराणसी मिर्जापुर और भदोही कालीन उत्पादन एवं व्यवसाय के लिएभी प्रसिद्ध हैं। इससे जुड़े अधिकांश लोगों का विदेशों में आना-जाना लगा रहता है। साथ ही रेशम वस्त्र उद्योग, बनारसी साड़ी, बनारस के खिलोनों और कृत्रिम मोती के निर्यात से जुड़े हजारों व्यवसायी विदेश आते-जाते हैं। पर्यटन की दृष्टि से विश्व में प्रसिद्ध वाराणसी के घाट अंतर्राष्ट्रीय सैलानियों को वाराणसी की ओर आकर्षित करते हैं। वाराणसी धार्मिक राजधानी होने के साथ-साथ सांस्कृतिक केन्द्र के रूप में भी विख्यात है तथा यह ि वश्व व्यवसाय से भी जुड़ा है। इस प्रकार इसका संबंध संसार के प्रमुख नगरों से हैं। इस हेतु वाराणसी से विश्व के सभी महत्वपूर्ण नगरों, व्यावसायिक केन्द्रों एवं सांस्कृतिक स्थलों के लिए सीधी उड़ान होना आवश्यक है। यह भी महत्व की बात है कि वाराणसी दिल्ली एवं कलकत्ता जैसे अंतर्राष्ट्रीय हवाई पट्टियों के मध्य में स्थित है। यहां से भारत से बाहर को जाने वाली उड़ानें आसानी से वाराणसी हो कर आ जा सकती हैं।

अतः केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वाराणसी से अन्तर्राष्ट्रीय वायुयान सेवा शुरू की जाये।